बालमन कुछ कहता है

हमें हिंदी भाषा क्यों पसंद है?

हमें हिन्दी भाषा क्यों पसंद है?

आज मैं बहुत खुश हू की मैं अपनी प्रिय भाषा का वर्णन उसी भाषा मे करने जा रही हूँ। मैं सभी हिंदी भाषी प्रेमियो की तहेदिल शुक्रगुज़ार हूँ की आप सब लोगों की कोशिशो की वजह से हम अपने विचारो को अपनी मातृभाषा के रूप में व्यक्त कर पा रहे हैं। जिसका हमें गर्व है की वो मूल(जड़) जो कहीं दब ग आज फिर से उठने की कोशिश करने लगा है और एक बड़ा वृक्ष बनकर साम जरूर आएगा इसको बढ़ने में भले देर हो सकती है पर अगर हम सब मिलक इसे सींचते रहे तो वो दिन दूर नहीं जब ये फल देना शुरू कर देगा और इसके मीठे स्वाद से हर कोई परिचित हो जाएगा।

कोई भी भाषा का ज्ञान होना अपने आप में गलत बात नहीं है हम जितनी ज्यादा भाषा सीखे उतनी अच्छी बात है, भाषा की जानकारी से ही हम एक दूसरे के विचारो को आपस में बाँट सकते है। जहाँ तक हिंदी भाषा का सवाल आता है तो एक भारतीय होने के नाते हमें इस पर गर्व होना चाहिए औ हर भारतीय को इसका ज्ञान होना बहुत जरूरी है। हम हिंदी भाषी होते हुए भी अपने देश में इसका इस्तेमाल न करके दूसरी भाषा को बढ़ावा दे रहे। लेकिन मैं उनमे से एक नहीं हूँ। सबसे पहले हमें अपनी भाषा को सम्मान देना चाहि उसके बाद दूसरी भाषा की जानकारी रखते हुए देश को आगे ले जाना चाहिए बात तो वही है पर इसके थोड़े से फेरबदल से हम अपने देश और भाषा दोनों को सम्मान कर सकते है। मेरे माता पिता ने मुझे हिंदी भाषा का ज्ञान दिया उन्होंने शुरुआत से ही मुझे हिंदी भाषा बोलना, लिखना सिखाया है। इसीलि मुझे हिन्दी भाषा अत्यधिक पसंद है और मैं चाहती की मैं अपनी मातृभाषा हिन्दी को बढ़ावा दूँ।

धन्यवाद

नाम - अभिरुचिता
कक्षा - V F
केंद्रीय विद्यालय स्कूल,
एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली